

9.2.18

आज पशुधनी सेवा हुई। कक-कक कर आवाज
भागड़ गई। बारी के अतिथववहा डफ। कर पशुधनी
डाइग हाजरी नपेंथी से रणयिन कि जाती है। पशुधनी
कंसल सुमार डेकर नगणर से काग डो पशुधनी
दपहर दामिल सिपा जाय।

